हिन्दुस्तान ।। नवम्बर २००९ पृ० 4 भागलपुर (बिहार)

# साइबर युग में ई-लाइब्रेरी जरूरी

## लाइब्रेरी नेटवर्किंग एण्ड ऑटोमेशन के लिए लगी कार्यशाला

**भागलपुर (का.सं.)।** लाइब्रेरी नेटवर्किंग एण्ड ऑटोमेशन के लिए स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विभाग में इलेक्ट्रोनिक लाइब्रेरी एण्ड निक (एनआईसी) साफ्टवेयर न्यूज पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उद्घाटन समारोह में मंगलवार को तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय की कुलपति डा. प्रेमा झा ने कहा कि आज साइबर युग में जब हम जीवन के हर पहलू और हर क्षेत्र में कंप्यूटर के जरिए प्रवेश कर चुके हैं, ऐसे में ग्रंथालय को ई-लाइब्रेरी में करना जरूरी हो जाएगी। इस मौके पर डा. आरके मटोरिया ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों और इस पेशे से जुड़े कर्मचारियों को ई-लाइब्रेरी की जानकारी देना। उन्होंने कहा कि इस सॉफ्टवेयर के उपयोग से ग्रंथालयों के क्रिया-कलापों एवं संग्रहित आलेखों की शीघ्र जानकारी के अलावा ग्रंथालय प्रबंधन में आसानी होगी। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत सुमन, शिल्पी और खुशबू द्वारा गाए कुलगीत से हुआ। कुलपति ने इस मौके पर भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के जनक डा. एसआर रंगनाथन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और दीप भी जलाया। प्रोफ़ेसर इंचार्ज डा. बालकृष्ण झा और विभागाध्यक्ष प्रभारी वरुण सरकार ने मंचासीन अतिथि कुलपति डा. प्रेमा झा, निक के तकनीकी निदेशक डा. आरके मटोरिया, कुलसचिव डा. विनय कुमार सिंह और डा. रवि रंजन को बुके और सिल्क चादर देकर सम्मानित किया। स्वागत भाषण में डा. बालकृष्ण झा ने कहा कि 20वीं शताब्दी ज्ञान एवं सूचना का युग है। विश्वविद्यालय की आत्मा पुस्तकालय है जिसे आधुनिक स्वरूप देना जरूरी है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हर लाइब्रेरी को एक-दूसरे से जोड़ा जा सके। मंच संचालन पुस्तकालयाध्यक्ष प्रभारी डा. अरुण कुमार सिन्हा ने किया। इस मौके पर डा. उपेन्द्र प्रसाद यादव, जयंत कुमार सिन्हा, बसंत कुमार चौधरी, किरण सिन्हा, प्रमोद कुमार सिन्हा, डा. अरुण कुमार झा, प्रो. विजय कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

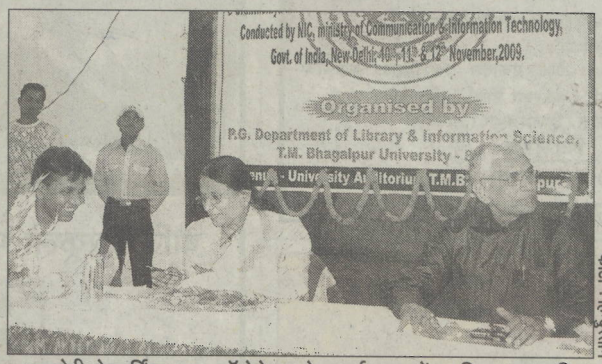


फोटो : हिन्दुस्तान

लाइब्रेरी नेटवर्किंग एण्ड ऑटोमेशन के कार्यशाला में उपस्थित कुलपति